

*Etwas überschreiten, über Etwas hinübergelangen:* सिन्धुं ततारु R.V. 7, 33, 3. अयस्तरैम् 36, 24. 10, 61, 16. 1, 103, 11. ÇAT. B... 1, 4, 2, 14. न वाङ्मयी नदीं तरैत् M. 4, 77. MBu. 1, 4229. 3, 12779. 12, 3093. स ततारु तथा नावा समुद्रम् MATSJO. 41. R. 1, 1, 29. 30. 43, 6, 2, 46, 28. VID. 166. 243. 282. मनोरथ-सरित्परंपरामिव तावन्न तरिष्यति PRAB. 33, 2. 118, 5. तरतां सागरं रामः R. 6, 11, 5. तरिष्ये MBh. 123, 20. ततरे Bhaṅ. P. 1, 13, 14. तरते 9, 8, 13. विन्ध्य-स्तरैत्सागरम् BHART. 1, 63. नैतं सेतुमकारात्रे तरतः Kā. B. U. P. 8, 4, 1. तीर्थे-स्तरति प्रवृत्तौ मूढीः AV. 18, 4, 7. तीर्त्वा तमामि 9, 3, 1. KĀTJ. Ç. 25, 11, 22. M. 4, 242. आशवः पद्मभिस्तित्रतो रजः R.V. 2, 31, 2. hinübergelangen zu: अतारिष्य समसत्पारमस्य 1, 92, 6. स तीर्त्वा सरयूपारं दण्डस्तस्य कराड्युतः R. 2, 32, 37. Häufig ohne obj. in der Bed. übersetzen M. 4, 194. प्रवैस्तेरुस्त-श्वपरे। अथै कुम्भपैस्तेरुन्ये तेरुश्च वाङ्मिः ॥ R. 2, 89, 21. 5, 33, 5. MBh. 13, 20. अस्तारिष्यामहे वयम् R. 1, 23, 16. तरमाण 6, 1, 19. MBu. 3, 10727. sich auf der Oberfläche des Wassers fortbewegen (= प्रवन Dhātup.): शिला तरिष्यत्युदके न पर्णम् BHATT. 12, 77. (वज्रम्) लघ्वम्भसि तरति (Sch. = म-ज्जतिः) रश्मिवत् VARAH. BRH. S. 81 (80, a), 14. hinfliegen, hinschleusen: धा-वति वर्त्मनि तरति नु वाजिनस्ते ÇĀ. 8, v. l. तीर्षा mit neutr. Bed. der übersetzt —, hinübergeschifft ist MBu. 3, 8203. R. 2, 53, 22. 57, 11. 6, 1, 19. mit trans. Bed.: तीर्षाः सागरम् 5, 13, 23. mit pass. Bed.: तीर्षाश्च व-रूपाण्यः R. 6, 98, 8. तीर्षाः पूर्णाः कति न सरितः PRAB. 92, 15. रथेन ती-र्षज्जलिधिः ÇĀ. 192. — 2) an's Ende gelangen, Etwas durchmachen; im Besond. zurücklegen (einen Weg), durchleben (einen Zeitraum): नातारिदस्य समृतिं वधानाम् R.V. 1, 32, 6. चतस्रश्चतुर्षोऽपिमाः। ततारु विद्याः पवनातिपातिभिर्दिशो हरिर्द्विर्हरितामिवेश्वरः ॥ RAGH. 3, 30. शा-पमेवं तरिष्यति KATHA. 2, 22, 6, 5. तीर्षाः शापो मया 23, 144. श्लतस्य पन्थो न तरति दुष्कृतः R.V. 9, 73, 6. द्रुततरगतिस्तत्परं वर्त्म तीर्षाः MBh. 19. पयातरुदर्श मासो नवग्वाः R.V. 5, 45, 11. तैरेम शतं किमाः 34, 15. सुगृहे तारिष्या जीवावृषसो विभातोः AV. 14, 2, 43. 19, 50, 3. तीर्षाशेषा der das Kindesalter hinter sich hat KATHA. 10, 8. vollführen, vollbringen, erfül- len: यो ऽयं रणपरिश्रमः। तीर्षाः स मुहुदाममर्षान्न तदर्थे कृतो मया ॥ R. 6, 100, 14. तीर्षावत्तं पितुः वचः 2, 25, 41. प्रतिज्ञां तनुम् 1, 68, 9. प्रतिज्ञेयं मया तीर्षा 6, 98, 8. तीर्षाप्रतिज्ञ 2, 21, 46. 6, 100, 4. HARIV. 7236. — 3) die Oberhand bekommen über, bemeistern, Herr werden über, überwinden; glücklich entgehen; mit dem acc.: द्विषः R.V. 6, 2, 4. 11. 5, 70, 3. 7, 39, 2. स्वर्धः 2, 11, 19. अरातीः 3, 24, 1. रिपून् MBh. 2, 669. क्रत्वा श्वपिरमृतौ अतारीत् R.V. 7, 4, 5. अरातीवा मा नस्तारोत् 9, 114, 4. 2, 23, 5. अरातिर्ना मा तारीत् AV. 2, 7, 4. 12, 3, 17. 19, 34, 7. वृत्रं वृत्रतूर्यं ततारु TB. 3, 1, 2. इन्द्रेण यु-जा तरुपेयं वृत्रम् R.V. 7, 48, 2. वाचा विप्रोस्तारु वाचमर्यः 10, 42, 1. 7, 1, 5. न किञ्चानासतिस्तिरुस्त इन्द्रम् 1, 33, 8. (मेघाः) तर्षमाणा महेन्द्रेण तोयं मुमुचुरक्षयम् HARIV. 3943. डुरिता R.V. 7, 32, 15. तरति शोकमात्मवित् Kā. B. U. P. 7, 1, 3. पाप्मानम् ÇAT. B. 1, 8, 2, 22. तीर्षा हि सर्वा क्वाकन्दुदय-स्य भवति 14, 7, 4, 22. ÇĀ. 6, 7, 10. मृत्युम् IÇOP. 11. नुधम् TB. 3, 1, 2, 2. अशनायापिपासे KATHOP. 1, 42. सर्वदुर्गाणि — तरिष्यसि BHAG. 18, 58. तरते येन दुर्गाणि MBh. 12, 4082. तितर्षि दुर्गाणि Bhaṅ. P. 7, 9, 18. तरेदापदमात्मनः M. 11, 34. MBh. 1, 6142. 4, 21. 13, 3372. fg. क्लेशम् 3, 11586. कृच्छ्रं मरुतीर्षाः RAGH. 14, 6. यया तरे सदवध्यानमकः Bhaṅ. P. 5, 10, 25. भवानताषिन्मायां वै वैश्वीम् 6, 12, 20. sich bemächtigen, in den Besitz gelangen von: आयसीमतरुपुरम् R.V. 8, 89, 8. एको श्वरुमयोद्यो

III. Theil.

च पृथिवीं चापि — तरेयमिषुभिः R. 2, 53, 26. ब्रह्मलोकं गुरार्वत्पा नियमेन तरिष्यसि MBu. 12, 3997. Ohne obj. glücklich davonkommen, sich retten ÇAT. B. 11, 5, 2, 8. LĀTJ. 4, 1, 6. तरुषं प्रववन्मया MBu. 1, 6184. तपोभिः क्रतु-भिश्चैव दानेन च — तरति नित्यं पुरुषा ये स्म पापानि कुर्वते 14, 44. अथ वापि समयेण तरतु तपसा मम 1, 1823. यस्तरिष्यति VID. 199. einer Ge-fahr entrinnen, mit dem abl.: गावो वर्षभयातीर्षा वयं तीर्षा मरुभयात् HARIV. 4066. med. sich bekämpfen, wettstreiten: धने कृते तरुपत अ-स्यवः R.V. 1, 132, 5. — 4) Jmd hinüber —, hindurchbringen, retten: स-खा सखायमतरुद्विषूचाः R.V. 7, 18, 6. पुत्रास्तरितुम् MBu. 1, 8369. (वारि) त-श्चेनस्तरते क्षणात् hilft über die Sünde hinüber 3, 13246. — Vgl. 1. तुर, तुर्व, त्रा.

— caus. 1) Jmd übersetzen, hinüberführen: उदीचस्तारयति KAUC. 71. 86. नदीं तारयते 82. स तान् — तारयामास — गङ्गा नावा MBu. 1, 5853. fg. 3, 12787. R. 2, 89, 3. तारयिष्ये मरुर्षवम् 4, 62, 16. तत्पन्नमस्मोस्तार-यिष्यति PANKAT. 243, 15. स तार्यमाणो यमुनाम् MBu. 1, 4230 R. GOAR. 2, 97, 24. इमं लोकं तारयिष्यति MBu. 13, 4156. — 2) weiter leiten, gelangen lassen zu: चतुषे मा प्रतुर् तारयतः AV. 18, 3, 10. यो ऽस्माकमविद्यायाः परं पारं तारयसि PRAÇNOP. 6, 8. — 3) Jmd glücklich hinüberführen, retten, erlösen: ज्ञातयस्तारयतीकृ ज्ञातयो मज्जयति च MBu. 5, 1470. fg. स भवा-स्तारयत्वस्मादुःखामर्षमकार्णावात् 7, 2959. वैद्यस्तु गुणवानेकस्तारयेदातु-रान्मदा। प्रवृ प्रतितीर्क्षीं कर्णाधार इवाम्भसि ॥ SUÇH. 1, 123, 13. fg. न हि नस्ततपस्तस्य तारयिष्यति MBu. 1, 1839. 3025. 6172. 6184. SIV. 7, 15. R. 1, 10, 26. 43, 7. 49, 13. Bhaṅ. P. 8, 2, 27. तारयते MBu. 3, 12726. 13, 1568. 1820. 3293. 3618. तारितं चाय्य मे कुलम्। अथ्यायं तारितो देशो मम तार्यं त्वया 3, 3921. R. 1, 44, 45. 6, 104, 9. MĀK. P. 21, 91. 22, 87. पतारय-ति सर्वतः M. 4, 228. वृजिनात्तारयिष्यामि दुर्गेषु विश्वेषु च MBu. 1, 6052. 3, 1221. दुर्गात् 1, 6185. 4, 198. क्षणात् 14, 2760. तान्चै तारयते पापात्पङ्के गामिव दुर्वलाम् 4, 182. अनर्थात् DAÇAK. in BENF. Chr. 194, 19. glücklich hinüberführen über (acc.): इमं लोकं तारयिष्यति MBu. 13, 4156. Eine der acht Arten von Vollkommenheit heisst die rettende, erlösende im Sāṃ-khya: यदध्ययनेन ज्ञानमुत्पद्यते तद्वभावभूतेषु सा तृतीया सिद्धिस्तारयती-त्यभिधीयते TATTVA. 41.

— desid. तितीर्षति. तितरिषति, तितरीषति P. 7, 2, 41 (die Scholien hiernach zu verbessern). VOP. 19, 2. übersetzen wollen, hinüberschiffen wollen zu: भवार्णवम् — तितीर्षति Bhaṅ. P. 4, 22, 40. निक्तीनयोनिर्हि सुतो ऽवसादयेत्तितीर्षमाणं हि ययोपला जले MBu. 13, 2598. पारं तितीर्ष-तामय प्रवो नो भव 7, 2959. KATHOP. 3, 2.

— intens. तातर्ति P. 7, 4, 92. Sch. durchlaufen, einen Weg zurücklegen, durchdringen: दधिक्वाष्णः सहेर्जा तरिर्जतः (P. 7, 4, 65) R.V. 4, 40, 3. त-न्वैवाद्येषु तर्तरीय उया 10, 106, 7.

— अति 1) übersetzen über, hinübergelangen zu: अयो ऽति तरामसि R.V. 7, 32, 27. अलाङ्गुलेनातितर्ति सिन्धुम् Bhaṅ. P. 6, 9, 21. तरति पा-रम् 5, 13, 20. स्वर्गानातरति ते HIT. IV, 83. — 2) glücklich hinüberge-langen, überwinden, glücklich entgehen: अति द्वेषसि तरेम् R.V. 3, 27, 3. 8, 13, 21. 19, 14. ययात्ति विश्वा डुरिता तरेम् 41, 3. AV. 13, 2, 34. 19, 36, 2. मृत्युम् 4, 33, 1. BHAG. 13, 25. दुर्गाणि MBh. 12, 4053. fgg. 13, 2035. fgg. 7065. भयम् Bhaṅ. P. 3, 24, 40. संसारचक्रम् 7, 9, 21. देवमायाम् 2, 7, 12. 46. 8, 12, 39. न यस्य कश्चातितर्ति मायाम् 3, 30. नुधमत्पतार्षम् DAÇAK. 196, 4.